

शहडोल संभाग की जनसंख्या वृद्धि एवं साक्षरता का प्रभाव एक : भौगोलिक अध्ययन

Prof. Shivkumar Dubey¹ and Jiyalal Rathore²

Professor, Department of Geography¹

Research Scholar, Department of Geography²

Awadhesh Pratap Singh University, Rewa, Madhya Pradesh, India

rathaur1989@rediffmail.com

Abstract: हमारे देश में अनेको जटिल समस्याएं हैं, जो देश के विकास में अवरोध उत्पन्न करती हैं। जनसंख्या वृद्धि भी देश की इन्हीं जटिल समस्याओं में से एक है, जनसंख्या वृद्धि के मूल कारण निर्धनता, अशिक्षा, रूढ़िवाहिता तथा संकीर्ण विचार आदि हैं, जनसंख्या वृद्धि की समस्या आज अत्यंत भयावह स्थिति में है, जिसके फलस्वरूप देश को अनेक प्रकार की कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, गरीबी व अशिक्षा के ग्रामीण क्षेत्रों के लोग अनभिज्ञ हैं, इन लोगों को अपनी आम भौतिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है, जनसंख्या वृद्धि की गति से मानव की आवश्यकताओं और संसाधनों की पूर्ति करना असंभव होता जा रहा है।

मुख्य शब्द :- जनसंख्या वृद्धि, घनत्व, साक्षरता, शिक्षा काल सौन्दर्भ।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची:

1. आर. सी. चादना जनसंख्या भूगोल दसवों संस्करण कल्याणी प्रकाशन नई दिल्ली।
2. जी.एस. गोसल 1968 लिटरेसी इन इण्डिया एन इन्टर प्रिटेटिव स्टडी रूलर सोषियालाजी।
3. प्रमिल कुमार 2010, मध्य प्रदेश : एक भौगोलिक अध्ययन मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी भोपाल
4. मुनिष रजा शिक्षा और विकास के समाजिक आयाम ग्रन्थ शिल्पी प्रकाशन नई दिल्ली।
5. जिला कार्यालय – सांख्यिकी पुस्तिका शहडोल, उमरिया, वर्ष 2011
6. विलियम्सन, डब्ल्यू 1977 पैन्टर्न्स ऑफ एजुकेशनल इनइक्वालिटी इन वेस्ट जर्मनी : कोपरेटिव एजुकेशन।

7. अनूपम पाण्डेय 2007 भारत का जनसंख्या भूगोल डिस्कवरी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड नई दिल्ली ।

Website

- [1]. www.cences.2011.co.in
- [2]. www.data.gov.in
- [3]. www.shahdolpart.A.gov.in